

अस्वान्धल प्रदेश की गौरी जनजाति की युवतियों
का अपने समुदाय के समागम में जाया जाने
वाला लोकगीत व लोकनृत्य जिसके बोल हैं
"हो दायमो" जिसका अर्थ है "स्वागतम"
इसका मंचन महाविद्यालय में कराया गया
ताकि महाविद्यालय की छात्राएँ अस्वान्धल
प्रदेश की जनजातीय संस्कृति से मिल ही सकें।